पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ का 13वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

माता–पिता को कभी नहीं भूलें व अंतिम क्षण तक उनकी देखभाल करें

संगीत के क्षेत्र में गुरू शिष्य की समृद्ध परम्परा को कायम रखें

देश के विकास में संस्कृति का महती योगदान

भारतीय संस्कृति, विश्व की सर्वाधिक प्राचीन, समृद्ध एवं सर्व–समावेशी संस्कृति

उत्तर प्रदेश की संगीत परंपरा प्राचीनतम और समृद्ध, इसके संरक्षण हेतु कार्य की आवश्यकता

विलुप्त हो रहे वाद्य यंत्रों व लोकगीतों के संरक्षण एवं शोध पर विश्वविद्यालय दे ध्यान

विकसित भारत के उद्देश्य की प्राप्ति में भारतीय संस्कृति और कला की भूमिका महत्वपूर्ण

विश्वविद्यालय में सगर्भा माताओं के संस्कार के कार्य शुरू किए जाएं

विश्वविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों से इतर सामाजिक कार्यों को भी बढ़ावा दें

– राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 18 दिसम्बर, 2023

प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ का 13वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। राज्यपाल जी ने कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के

साथ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली मेधावियों को 45 पदक प्रदान किए, जिसमें 20 पदक छात्रों ने एवं 25 पदक छात्राओं ने हासिल किए। इसके साथ ही समारोह में कुल 110 उपाधियाँ प्रदान की गईं, जिसमें स्नातक स्तर पर 52 ,परास्नातक स्तर पर 55 तथा 03 शोध उपाधि प्रदान की गयीं। सभी 110 उपाधियां डिजिलॉकर में अपलोड कर दी गयीं।

राज्यपाल जी ने सभी उपाधि प्राप्त कर्ताओं तथा पदक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए माता–पिता को कभी नहीं भूलने व अंतिम क्षण तक उनके देखभाल करते रहने को प्रेरित किया। उन्होंने मुख्य अतिथि कथक नृत्यांगना पद्मश्री, श्रीमती शोभना नारायण को भौतिक शास्त्र में पढ़ने, एक अधिकारी के रूप में दायित्व संभालने तथा नृत्यांगना के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करने पर त्रिवेणी संगम बताया। राज्यपाल जी ने बतौर नृत्यांगना, कोरियोग्राफर व कत्थक गांव पर शोध करने हेतु श्रीमती शोभना नारायण जी के कार्यों को सराहनीय बताया।

राज्यपाल जी ने संगीत के क्षेत्र में गुरु और शिष्य की परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि शिक्षकों द्वारा अपना ज्ञान शिष्यों को प्रदान करने में कोई कमी नहीं रखी जाए, जिससे गुरू शिष्य की समृद्ध परंपरा कायम रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को गुरुजनों का मान रखने हेतु भी आह्वान किया। राज्यपाल जी ने देश के विकास में संस्कृति के योगदान को महत्वपूर्ण एवं भारतीय संस्कृति को विश्व की सर्वाधिक प्राचीन, समृद्ध एवं सर्व समावेशी संस्कृति बताया।

राज्यपाल जी ने अपने सम्बोधन में भारत में कला के रस और रंगों को जीवन का पर्याय मानते हुए कहा कि भारत में जीवन की अलग–अलग जरूरतों व दायित्वों को 64 कलाओं से जोड़ा गया है। राज्यपाल जी ने संगीत एवं नृत्य को एक साधना बताते हुए उत्तर प्रदेश की संगीत परंपरा को प्राचीनतम और समृद्ध बताया तथा उसके संरक्षण हेतु कार्य करने को कहा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के एकमात्र संगीत विश्वविद्यालय, भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय की स्थापना के 97 वर्ष

पूर्ण होने पर बधाई देते हुए आने वाले शताब्दी वर्ष में नई ऊंचाइयों की प्राप्ति की कामना की। उन्होंने कहा कि विलुप्त हो रहे वाद्य यंत्रों व लोकगीतों के संरक्षण एवं शोध पर विश्वविद्यालय ध्यान दें।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि इस उद्देश्य को पूरा करने में युवाओं की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने विकसित भारत के उद्देश्य की प्राप्ति में भारतीय संस्कृति और कला की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा तकनीक के साथ भारतीय संस्कृति और संगीत को जोड़कर आधुनिक तरीके से विश्व में प्रचारित किए जाने की जरूरत बताई।

राज्यपाल जी ने समारोह में आए स्कूली बच्चों को दीक्षांत समारोह से सीखने, संकल्प लेने व अच्छी शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित होने को कहा। राज्यपाल जी ने भारत के 50 प्रतिशत युवाओं को विश्वविद्यालयी शिक्षा तक पहुंचने की आह्वान किया। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में भारत के सिर्फ 26 प्रतिशत युवा ही शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय तक पहुँच पाते हैं। उन्होंने आंगनवाड़ियों में बच्चों की प्रवेश संख्या बढ़ाने व उक्त लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग करने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय में सगर्भा माताओं के संस्कार के कार्य को शुरू किए जाने का भी आह्वान किया। राज्यपाल जी ने इस क्रम में अभिमन्यु का उदाहरण देते हुए कहा कि घर के माहौल का प्रभाव माता के गर्भ में पल रहे शिशु पर पड़ता है।

राज्यपाल जी ने कथक नृत्य को एक प्रकार का एक्यूप्रेशर बताते हुए उस पर शोध करने की जरूरत बताई तथा इस संदर्भ में उन्होंने आई0आई0आई0टी0 लखनऊ एवं संगीत विश्वविद्यालय के बीच एमओयू हस्ताक्षरित करने की आवश्यकता बताई।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि समय बदल गया है, इस क्षेत्र में आधुनिकीकरण लाया जाना चाहिए। उन्होनें विश्वविद्यालय द्वारा विद्यालय और गांव को गोद लिए जाने हेतु प्रेरित किया। राज्यपाल जी ने कहा कि हमारा ज्ञान और प्रतिभाएं बाहर भी जाएं, बाहर के छात्र–छात्राएं, महिला, किसान

और गरीबों को भी इसका लाभ मिले तथा विश्वविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों से इतर सामाजिक कार्यों को भी बढ़ावा दें। उन्होंने विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में उच्च ग्रेडिंग की तैयारी हेतु कहा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि व प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना पद्मश्री, श्रीमती शोभना नारायण ने उपाधि/पदक प्राप्त सभी विद्यार्थियों को नई जिंदगी शुरू करने के लिए बधाइयां दी। उन्होंने कहा कि जीवन मे आने वाली चुनौतियां का सामना करना स्वयं पर निर्भर करता है तथा हर उम्र में सीखने की प्रवृत्ति होती है। उन्होंने कहा कि परफॉर्मिंग आर्ट्स के नियम जीवन में भी लागू होते हैं तथा जीवन को कैसा बनाना है, यह चाबी स्वयं के हाथ में है। उन्होंने जीवन में अदृश्य सीख पर ज्यादा ध्यान देने को कहा तथा विद्यार्थियों को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो0 मांडवी सिंह ने समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल जी के समक्ष विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की एवं अपने सम्बोधन में भारतीय कलाओं का प्रभाव सम्पूर्ण विश्व पर बताया तथा विभिन्न कलाओं के मध्य अंतर्सम्बन्ध स्थापित किये जाने की आवश्यकता को बताया।

समारोह में राज्यपाल जी ने दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग कर रहे नारी शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज, लखनऊ की 30 छात्राओं को उपहार स्वरूप पठन–पाठन सामग्री व स्कूली बैग प्रदान किए गए। कार्यक्रम में राज्यपाल जी ने आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 10 किट प्रदान की। ज्ञातव्य है कि प्रदेश स्तर पर राज्यपाल जी द्वारा अब तक आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु 7615 किट प्रदान की जा चुकी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन कुलाधिपति जी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर समारोह में स्थानीय अतिथिगण, जनप्रतिनिधि, कार्य परिषद एवं विद्या परिषद के सदस्यगण, अधिकारी एवं शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ. सीमा गुप्ता,
सहायक निदेशक,
कृष्ण कुमार, सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र–8318116361